Title: Regarding provision of adequate security in judicial custody to Shri Laloo Prasad Yadav, former Chief Minister of Bihar.

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : सभापति महोदय, कल इस सदन में राजद के अध्यक्ष श्री लालू यादव की सिक्यूरिटी से संबंधित मामला डा. रघुवंश प्रसाद सिंह ने उठाया था। मैं आज इस मामले को फिर से उठा रही हूं। कल सरकार ने आश्वासन दिया था कि श्री लालू यादव की सुरक्षा में किसी तरह की कोई कमी नहीं की जायेगी लेकिन यहां सुरक्षा का आश्वासन दिया जा रहा है जबकि वहां श्री लालू प्रसाद जी को दी गई सुरक्षा हटा दी गई है जोकि सैंट्रल से दी गई थी। सी.आर.पी.एफ. के जवान हटा दिये गये हैं और खाली झारखंड राज्य के लाठी लिये हुये लोग रख दिये गये हैं।

सभापति महोदय, मैं आपसे जानना चाहती हूं कि सरकार द्वारा आश्वासन दिये जाने के बाद राजद के अध्यक्ष श्री लालू यादव को यह किस प्रकार की सुरक्षा दी जा रही है। कल स्टार प्लस पर दूरदर्शन के माध्यम से दिखा गया कि कैसे उनके सिर के पीछे से इंगित करके उन पर आक्रमण कर उनकी जान ली जा सकती है। हमें डर है कि क्रिमिनल लोग उनकी जान न ले लें। ऐसी हालत में यह सरकार लापरवाही दिखा रही है। यदि किसी तरह की कोई घटना हो गई, उसके लिये सरकार जिम्मेदार होगीâ€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : इसी विाय पर डा. रघुवंश प्रसाद सिंह का नोटिस भी है, मैं उन्हें भी एसोसिएट करता हूं।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : कल ही हमने सवाल उठाया था जिस पर सरकार ने कहा था कि हम देखेंगे और कार्रवाई करेंगे । लेकिन वहां जो सी.आर.पी.एफ. की सुरक्षा दी गई थी, उसे वापिस ले लिया गया है और लाठीधारी पुलिस को ख़ड़ा किया गया है, जब कि वहां एम.सी.सी. उग्रवादियों का बोलबाला है और वहां अपराधी लोग रह रहे हैं । उनके पास ए.के.-47 जैसे हथियार हैं, लाठीधारी पुलिस उनके सामने कैसे टिकेगी । इसलिए मैं इसमें संदेह जाहिर करता हूं कि उनकी हत्या का ाड्यंत्र हैं । â€¦ (व्यवधान) राजनीतिक मामलों में उन्हें पछाड़ा नहीं जा सकता है इसलिए चाहते हैं सुरक्षा कम करके उनकी हत्या करा दी जाए । â€¦ (व्यवधान) इसलिए सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह इस पर वक्तव्य दे । â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : रघुवंश जी ने नोटिस दिया था ।

डॉ. संजय पासवान (नवादा) : अभी कल डी.जी. पुलिस, होम सैक्रेटरी, चीफ सैक्रेटरी आदि उनसे मिलने के लिए झारखंड की जेल में गये थे, वे सब किस अधिकार से गये थे, इसकी जांच होनी चाहिए ।

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : सभापति जी, यह अत्यंत गम्भीर मामला है । पिछले दो दिनों में बिहार की मुख्य मंत्री श्रीमती राबड़ी देवी ने कुछ वक्तव्य दिये हैं और उसमें उन्होंने गम्भीर आरोप लगाये हैं । कल उन्होंने मुझसे फोन पर बात की थी और आज उनका पत्र भी आया है । मुझे इस बात का आश्चर्य होता है कि सरकार तनाव की स्थिति को गम्भीर क्यों करना चाहती है । वहां एक तनाव पैदा हुआ, कल यहां पर भी चर्चा हुई, लेकिन निरन्तर कोई न कोई कदम ऐसा उठाया जा रहा है जिससे ऐसा लग रहा है कि लालू प्रसाद के खिलाफ किसी बदले की भावना से काम किया जा रहा है । यह अत्यंत लज्जाजनक बात है । मैं समझता हूं केन्द्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए । यह कहना कि लालू प्रसाद को छ: महीने तक जेल में रखेंगे, यह सरकार का काम नहीं हैं, यह अदालत का काम है । ऐसा लगता है सरकार अदालत के ऊपर भी कुछ ऐसी नीयत रखती है कि लालू प्रसाद को जेल से बाहर नहीं निकलने दिया जायेगा । ऐसे समय में अगर उनकी पार्टी के सदस्यों को यह लगता है कि उनके साथ कोई दुर्घटना होगी तो यह बड़ी भयंकर बात होगी । इससे सारा बिहार और झारखंड जलने लगेगा । मैं समझता हूं कि इस परिस्थिति को बचाने के लिए केन्द्र सरकार को यह देखना चाहिए कि उन्हें उचित सुरक्षा मिले । जो सुविधाएं किसी अंडर ट्रायल को मिलनी चाहिए, वे सुविधाएं लालू प्रसाद को मिलनी चाहिए । लालू प्रसाद कोई अपराधी नहीं है । उनके ऊपर आरोप लगा है और आरोपित व्यक्ति को जो सुविधा मिलनी चाहिए, यदि वे सुविधाएं भी उन्हें नहीं मिलती हैं तो इससे बुरी बात और कोई नहीं होगी ।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : सभापति महोदय, श्री लालू प्रसाद को रांची से 25-30 किलोमीटर दूर रखने की कोई जरूरत नहीं है । उन्हें ऐसी जगह खुले में रखा गया है जहां से वह दिखाई दे रहे हैं । आप साफ देख रहे हैं कि स्टार टी.वी. न्यूज पर और इलैक्ट्रोनिक मीडिया में उन्हें दिखाया जा रहा है कि वह बैठे हुए हैं । चाहे उनकी सुरक्षा भले ही का जा रही हो लेकिन आजकल जिस तरह से आधुनिक हथियार हैं, कोई भी कुछ भी कर सकता है । हम यह नहीं कहते कि सरकार करायेगी, लेकिन और भी कोई रंजिशन कुछ भी कर सकता है और उन्हें सीधा-सीधा निशाना मारा जा सकता है । यह क्या औचित्य है कि उन्हें रांची से 25-30 किलोमीटर दूर जेल में रखा गया है । अगर जेल में रखना था तो रांची में जेल है, आप वहां सारी स्पेशल सुविधाएं दे सकते हैं । हम और आप बहुत जेल काट चुके हैं । लेकिन यह क्या वजह है कि उन्हें 25-30 किलोमीटर दूर रखा जाए । इससे तनाव बढ़ेगा । माननीय चंद्रशेखर जी ने कहा यह सच्चाई है कि जितने गांव के इलाके हैं, रांची से दूर रखेंगे, जनता के बीच जायेंगे, उतना ही तनाव बढ़ेगा । इसलिए तनाव रोकने के लिए आप सीधे-सीधे रांची में स्वच्छ जगह कहीं रखिये और उन्हें स्पेशल क्लास की सुविधाएं दीजिए । यह मेरी सरकार से अपील है और इसमें सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए ।

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : सभापति महोदय, किसी राजकीय व्यक्ति के खिलाफ अगर कोई केस चल रहा है तो कम से कम यह देखना चाहिए कि दूसरे व्यक्ति को जो संरक्षण दिया जाता है, वह उन्हें दिया जाए, केवल वह एक राजकीय व्यक्ति है, उसे नजरअंदाज करने से न सरकार की गरिमा बढ़ती है और न किसी इंस्टीट्यूशन की गरिमा बढ़ती है । यहां बार-बार कहा जा रहा है कि उनकी जान को खतरा है और यह कहने के बावजूद भी जो कदम उठाने चाहिए, अगर वे कदम नहीं उठाये गये और भगवान ऐसा न करे, लेकिन अगर बदकिस्मती से अगर ऐसा हो गया तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी । इसलिए यह जरूरी है कि जो हमारा सर्वोच्च सदन है इसमें माननीय चंद्रशेखर जी, श्री मुलायम सिंह यादव जी जैसे सदस्यों और हमारी पार्टी की तरफ से कहा गया है और उनकी पार्टी की तरफ से भी कहा गया है कि हमें लग रहा है कि उनकी जान को खतरा है, इसके बावजूद अगर कोई कदम नहीं उठाये गये तो इससे ज्यादा गलत बात कोई दूसरी नहीं होगी ।

13.00 hrs.

हम सरकार के ध्यान में लाना चाहते हैं कि इतना कहने के बाद अगर कुछ नहीं हुआ तो वह हमारे लोकतंत्र के लिए, संसद के लिए, देश के लिए और बिहार के लिए भी अच्छा नहीं होगा। हम जोर देकर कहते हैं कि जो भी करना जरूरी है उनको सुरक्षा देने के लिए, वह सरकार को तुरंत करना चाहिए और सरकार को इस सदन को सूचित करना भी जरूरी है कि उनके बारे में क्या किया गया है। â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री प्रभुनाथ सिंह। आपने जो सूचना दी है उसी पर बोलें।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : रघुवंश बाबू, आप स्थान ग्रहण कीजिए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : जसवंत जी, आपको चेयर की अनुमति नहीं है। आप स्वयं ही खड़े होकर बोलने लग जाते हैं। आप बैठ जाइए। श्री प्रभुनाथ सिंह।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : सभापति जी, लालू जी की सुरक्षा से संबंधित चर्चा कल भी यहां सदन में हुई थी और पहले भी चर्चा हुई है।

सभापति महोदय : आपका विाय दूसरा है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, हमारा इसी से संबंधित विाय है जिस पर मुलायम सिंह जी और चंद्रशेखर जी बोले हैं।

हम कहना चाहते हैं कि कोई भी काम राजनैतिक भेदभाव से नहीं होना चाहिए। हम परम आदरणीय चंद्रशेखर जी और मुलायम सिंह जी की बातों से पूर्णतः सहमति व्यक्त करते हुए एक बात कहना चाहते हैं कि हालांकि हमने अखबारों में पढ़ा है, इसमें कितनी सच्चाई है या नहीं हमें नहीं पता, कि जहां उनको रखा गया है, वहां चारों ओर से काँटेदार तारों से घेरा गया है और 20 लाठी पार्टी की पुलिस, 20 झारखंड की पुलिस और 20 सी.आर.पी. के जवान लगाए गए हैं। लेकिन जिस ढंग से रखा गया है, निश्चित तौर पर लालू यादव जी की जान पर अगर कोई चाहे तो खतरा पैदा कर सकता है, इसमें दो मत नहीं हैं। इसलिए जेल की चारदीवारें इतनी ऊंची बनाई जाती हैं ताकि उसमें रहने वाले बंदी सुरक्षित रह सकें। मुलायम सिंह जी ने कहा है कि इतना दूर रखना कहीं से मुनासिब नहीं है, अगर सरकार की कोई बदनीयती हो तो हम नहीं जानते हैं, लेकिन मुलायम सिंह जी ने ठीक कहा है कि उतना दूर नहीं रखकर राँची में ही उनको जेल में रखना चाहिए और जेल में सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था है। हम कहना चाहेंगे कि सरकार इस पर झारखंड सरकार से बात करे और उन्हें जेल में लाए जिसमें वह सुरक्षित रहें। इसमें कोई गड़बड़ झारखंड सरकार करती है तो हम निश्चित तौर पर कहेंगे कि झारखंड सरकार किसी न किसी राजनैतिक कारण से करती है। इसलिए उन्हें जेल में लाना चाहिए जिससे वे पूर्णतः सुरक्षित रहें। â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : रघुवंश जी, आप स्थान ग्रहण कीजिए, आप अपनी बात कह चुके हैं। अब मंत्री जी की बात सुनें। श्री प्रमोद महाजन।

संसदीय कार्य मंत्री, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा संचार मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : सभापति जी, कारावास में किसी भी बंदी को सुरक्षित रखना चाहिए और अगर बंदी लालू प्रसाद जी जैसा राट्रीय दल का अध्यक्ष हो, एक प्रांत का मुख्य मंत्री रह चुका हो, सांसद रह चुका हो, विधायक रह चुका हो तो स्वाभाविक रूप से उनकी सुरक्षा की व्यवस्था सरकार को ठीक करनी चाहिए और इसलिए सदन में लालू प्रसाद जी की सुरक्षा पर, जब वह जेल में हैं और वहां से बाहर हैं, तब भी, लेकिन अभी हम केवल वहां की बात कर रहे हैं जहां वे कारावास में हैं, इस पर ध्यान देना चहिए। मैं जरूर गृह मंत्रालय से कहूँगा कि वह यह बात झारखंड सरकार से आग्रहपूर्वक कहे। â€¦ (व्यवधान)